



Vedika Bahen

01 Sep 2017

01:30 AM

Balasinor

Model: web-freekundliweb

Order No: 121624502

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 31-01/09/2017
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 01:30:00 घंटे
इष्ट _____: 47:58:36 घटी
स्थान _____: Balasinor
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:59:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:53:28 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:20 घंटे
साम्पातिक काल _____: 23:34:13 घंटे
सूर्योदय _____: 06:18:33 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:54:37 घंटे
दिनमान _____: 12:36:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 14:29:45 सिंह
लग्न के अंश _____: 09:40:36 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 4
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: प्रीति
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

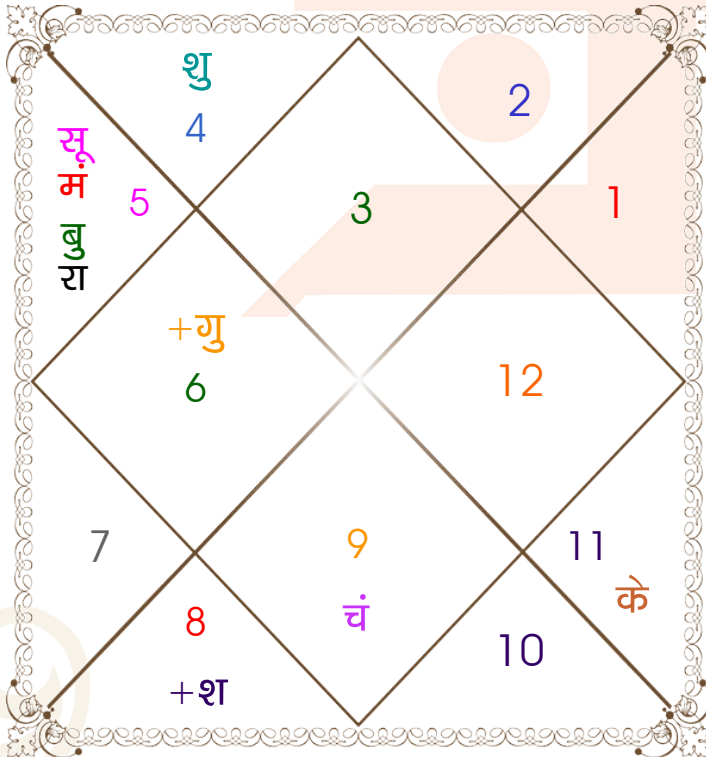
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:40:36	326:55:28	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	14:29:45	00:58:02	पूर्वाषाढा	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	11:42:10	11:55:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	02:59:48	00:38:10	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		व	अ	सिंह	05:47:03	00:35:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	27:52:02	00:11:02	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:38:47	01:11:55	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	27:06:50	00:00:37	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			सिंह	00:04:00	00:01:10	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	00:04:00	00:01:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष		व	मेष	04:06:01	00:01:19	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप		व	कुंभ	18:52:15	00:01:39	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
प्लूटो		व	धनु	22:56:27	00:00:47	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	28:52:20	--	पूर्वाभाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	सूर्य	--

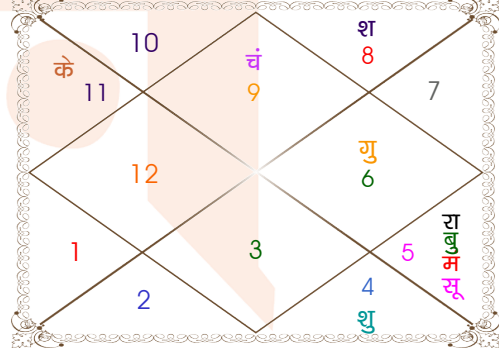
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:04

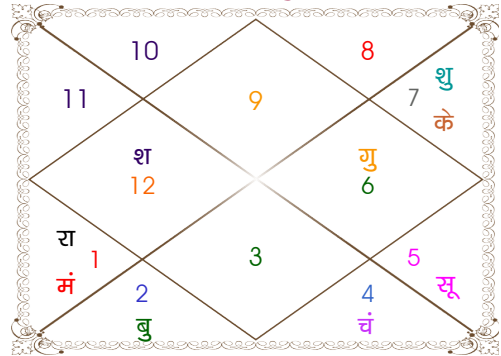
लग्न-चलित



चंद्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 10 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
01/09/2017	10/07/2018	10/07/2038	10/07/2044	10/07/2054
10/07/2018	10/07/2038	10/07/2044	10/07/2054	10/07/2061
00/00/0000	शुक्र 09/11/2021	सूर्य 28/10/2038	चंद्र 10/05/2045	मंगल 06/12/2054
00/00/0000	सूर्य 09/11/2022	चंद्र 28/04/2039	मंगल 09/12/2045	राहु 25/12/2055
00/00/0000	चंद्र 10/07/2024	मंगल 03/09/2039	राहु 10/06/2047	गुरु 30/11/2056
00/00/0000	मंगल 09/09/2025	राहु 28/07/2040	गुरु 09/10/2048	शनि 09/01/2058
00/00/0000	राहु 09/09/2028	गुरु 16/05/2041	शनि 10/05/2050	बुध 06/01/2059
00/00/0000	गुरु 11/05/2031	शनि 28/04/2042	बुध 10/10/2051	केतु 04/06/2059
00/00/0000	शनि 10/07/2034	बुध 05/03/2043	केतु 10/05/2052	शुक्र 03/08/2060
01/09/2017	बुध 10/05/2037	केतु 10/07/2043	शुक्र 09/01/2054	सूर्य 09/12/2060
बुध 10/07/2018	केतु 10/07/2038	शुक्र 10/07/2044	सूर्य 10/07/2054	चंद्र 10/07/2061

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
10/07/2061	10/07/2079	10/07/2095	11/07/2114	11/07/2131
10/07/2079	10/07/2095	11/07/2114	11/07/2131	02/09/2137
राहु 22/03/2064	गुरु 28/08/2081	शनि 13/07/2098	बुध 07/12/2116	केतु 08/12/2131
गुरु 16/08/2066	शनि 10/03/2084	बुध 23/03/2101	केतु 04/12/2117	शुक्र 06/02/2133
शनि 22/06/2069	बुध 16/06/2086	केतु 02/05/2102	शुक्र 04/10/2120	सूर्य 14/06/2133
बुध 09/01/2072	केतु 23/05/2087	शुक्र 02/07/2105	सूर्य 10/08/2121	चंद्र 13/01/2134
केतु 27/01/2073	शुक्र 21/01/2090	सूर्य 14/06/2106	चंद्र 10/01/2123	मंगल 11/06/2134
शुक्र 27/01/2076	सूर्य 09/11/2090	चंद्र 13/01/2108	मंगल 07/01/2124	राहु 29/06/2135
सूर्य 21/12/2076	चंद्र 10/03/2092	मंगल 21/02/2109	राहु 26/07/2126	गुरु 04/06/2136
चंद्र 22/06/2078	मंगल 14/02/2093	राहु 29/12/2111	गुरु 31/10/2128	शनि 14/07/2137
मंगल 10/07/2079	राहु 10/07/2095	गुरु 11/07/2114	शनि 11/07/2131	बुध 02/09/2137

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 10 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नहीं रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरुआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तो सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढ़कते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायित्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात् आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नहीं है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नहीं होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।